



Mr.

11 Feb 2026

08:35 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121350003

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 11/02/2026  
दिन \_\_\_\_\_: बुधवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 20:35:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 33:51:57 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Ghaziabad  
राज्य \_\_\_\_\_: Uttar Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:40:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:26:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:20:16 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 20:14:44 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:14:13 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 05:41:30 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 07:02:13 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:07:08 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:04:56 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 28:40:12 मकर  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 01:42:12 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: वृश्चिक - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: ज्येष्ठा - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: बुध  
योग \_\_\_\_\_: व्याघात  
करण \_\_\_\_\_: वणिज  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: मृग  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: कीटक  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: या-यतीन्द्र  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

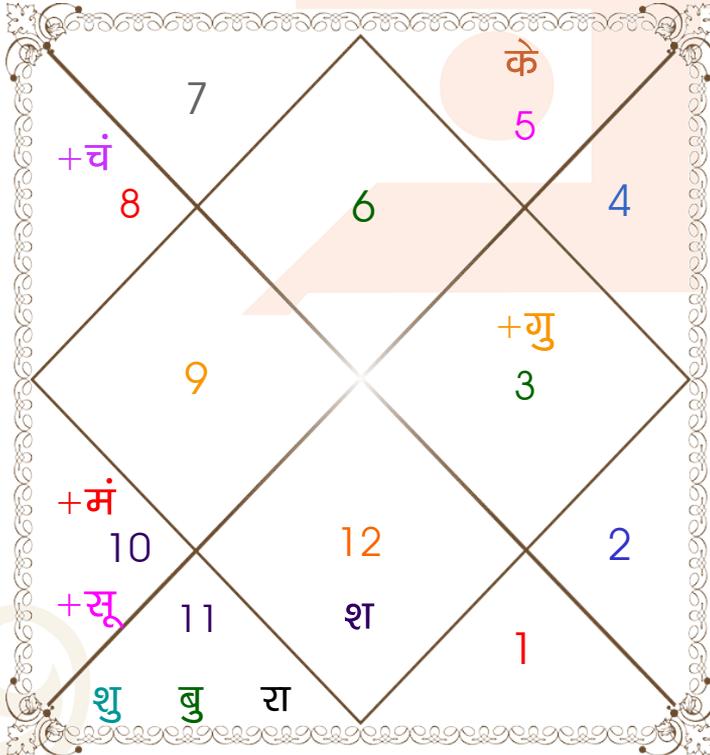
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:42:12	317:56:23	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			मक	28:40:12	01:00:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	21:28:39	11:54:43	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल		अ	मक	20:50:29	00:47:10	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	13:46:53	01:38:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु		व	मिथु	22:04:49	00:05:10	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	07:16:42	01:15:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:31:00	00:06:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु		व	कुंभ	14:53:07	00:01:42	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु		व	सिंह	14:53:07	00:01:42	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:15:40	00:00:24	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:13:50	00:01:53	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:48:19	00:01:50	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	01:31:59	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

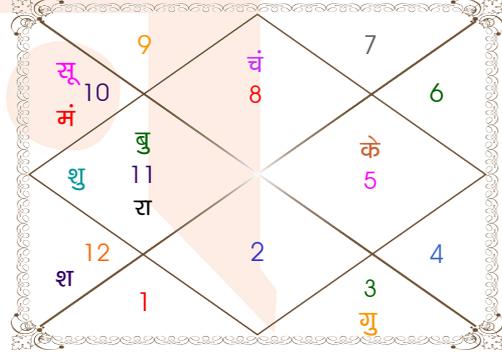
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

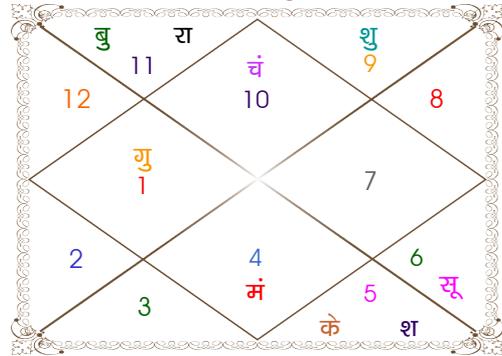
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 10 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
11/02/2026	24/12/2036	25/12/2043	25/12/2063	24/12/2069
24/12/2036	25/12/2043	25/12/2063	24/12/2069	25/12/2079
00/00/0000	केतु 22/05/2037	शुक्र 25/04/2047	सूर्य 13/04/2064	चंद्र 25/10/2070
11/02/2026	शुक्र 22/07/2038	सूर्य 25/04/2048	चंद्र 12/10/2064	मंगल 26/05/2071
शुक्र 20/03/2026	सूर्य 27/11/2038	चंद्र 24/12/2049	मंगल 17/02/2065	राहु 24/11/2072
सूर्य 24/01/2027	चंद्र 28/06/2039	मंगल 24/02/2051	राहु 12/01/2066	गुरु 26/03/2074
चंद्र 25/06/2028	मंगल 24/11/2039	राहु 23/02/2054	गुरु 31/10/2066	शनि 25/10/2075
मंगल 22/06/2029	राहु 12/12/2040	गुरु 24/10/2056	शनि 13/10/2067	बुध 25/03/2077
राहु 09/01/2032	गुरु 18/11/2041	शनि 25/12/2059	बुध 18/08/2068	केतु 25/10/2077
गुरु 16/04/2034	शनि 28/12/2042	बुध 25/10/2062	केतु 24/12/2068	शुक्र 25/06/2079
शनि 24/12/2036	बुध 25/12/2043	केतु 25/12/2063	शुक्र 24/12/2069	सूर्य 25/12/2079

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
25/12/2079	25/12/2086	25/12/2104	25/12/2120	26/12/2139
25/12/2086	25/12/2104	25/12/2120	26/12/2139	00/00/0000
मंगल 22/05/2080	राहु 06/09/2089	गुरु 12/02/2107	शनि 29/12/2123	बुध 24/05/2142
राहु 10/06/2081	गुरु 30/01/2092	शनि 26/08/2109	बुध 07/09/2126	केतु 21/05/2143
गुरु 16/05/2082	शनि 06/12/2094	बुध 02/12/2111	केतु 17/10/2127	शुक्र 12/02/2146
शनि 25/06/2083	बुध 25/06/2097	केतु 06/11/2112	शुक्र 17/12/2130	00/00/0000
बुध 22/06/2084	केतु 13/07/2098	शुक्र 08/07/2115	सूर्य 29/11/2131	00/00/0000
केतु 18/11/2084	शुक्र 14/07/2101	सूर्य 26/04/2116	चंद्र 29/06/2133	00/00/0000
शुक्र 18/01/2086	सूर्य 08/06/2102	चंद्र 26/08/2117	मंगल 08/08/2134	00/00/0000
सूर्य 26/05/2086	चंद्र 08/12/2103	मंगल 02/08/2118	राहु 14/06/2137	00/00/0000
चंद्र 25/12/2086	मंगल 25/12/2104	राहु 25/12/2120	गुरु 26/12/2139	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 10 मा 6 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोत्तम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते हैं कि आपकी छोटी से महत्वाकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरुत्साहित नहीं हैं। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरुष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानान्तरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता है। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृत्ति के अहंकार से युक्त पुरुष हैं। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरुद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृत्ति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।